B.M.A COLLEGE , BAHERI,DARBHANGA
(A CONSTITUENT UNIT OF LNMU)
BA DEGREE-1
HISTORY
SUB./GEN
UNIT-2(II)
DEPARTMENT OF HISTORY
PANKAJ KR.MISHRA
DATE-15/09/2020

TOPIC- पुष्यमित्र शुंग के उत्तराधिकारी

(THE SUCCESSORS OF PUSYAMITRA:187-151BC)

PART-4

Scanned with CamScanner

पुष्यमित्र शुंग के उत्तराधिकारी

151 B.C में पुष्यमित्र शुंग की मृत्यु के साथ ही शुंगों के गौरवपूर्ण दिन समाप्त हो गए। पुष्यमित्र की मृत्यु के सौ वर्षों के अंदर ही शुंगों की भी सत्ता समाप्त हो गई। इस संबंध में उल्लेख किया जा सकता है कि प्राप्त मुद्रा साक्ष्यों के आधार पर अनेक विद्वान मानते हैं कि पुष्यमित्र की मृत्यु के साथ ही शुंगों का राजनीतिक महत्व कमजोर हो गया। मथुरा, पांचाल, अयोध्या एवं निकटवर्ती स्थानों से 'मित्र' और 'दत्त' के नाम वाले अनेक सिक्के प्राप्त हुए हैं। कुछ विद्वान इन मित्र और दत्त नामधारी शासकों को शुंग वंश से संबद्ध मानते हैं, लेकिन अधिकांश विद्वानों का मानना है कि वे सिक्के स्वतंत्र राजाओं के हैं। इनके आधार पर यह आम धारणा है कि पांचाल, अयोध्या, कौशांबी और मथुरा पर से शुंगों का प्रभाव समाप्त हो चुका था। मगध पर भी पांचालों का प्रभाव स्थापित हो चुका था। इसी प्रकार यौधेय, अर्जुनायन, औदुम्बरों और कुणिंदो ने भी स्वतंत्र सत्ता स्थापित कर ली। शुंग सत्ता विदिशा के इर्द-गिर्द सिमट कर रह गई, पाटलिपुत्र अपना राजनीतिक महत्व खो चुका था। पुष्यमित्र का उत्तराधिकारी अग्निमित्र हुआ, जो विदिशा में उपराजा की हैसियत से शासन कर रहा था।

मालविकाग्निमित्रम् का नायक अग्निमित्र ही है। उसने संभवतः पंजाब के यूनानी शासकों से मैत्रीपूर्ण संबंध स्थापित किया। अग्निमित्र का अधिकांश समय भोगविलास में व्यतीत होता था। इसलिए आठ वर्षों के शासन के बाद ही 143 B.C में उसकी मृत्यु हो गई। उसका उत्तराधिकारी ज्येष्ठ था। वह संभवतः अग्निमित्र का छोटा भाई था। उसने सात वर्षों तक शासन किया। वसुमित्र इस वंश का तीसरा राजा था। उसने यूनानियों को राजा बनने के पूर्व ही परास्त किया था। उसने 136-126 ई०पू० के मध्य राज्य किया। हर्षचरित के अनुसार मूलदेव (मूजदेव) ने एक नाटक के प्रदर्शन के दौरान उसकी हत्या कर दी। मूलदेव ने संभवतः अयोध्या में एक स्वतंत्र राज्य की स्थापना की।

भागवत पुराण के अनुसार वसुमित्र का उत्तराधिकारी भद्रक था। इस शासक की पहचान कुछ विद्वानों ने पभोसा अभिलेख के शासक उदाक तथा बेसनगर के गरुड़ स्तंभ में उल्लिखित काशीपुत्र भागभद्र से की है जो संदिग्ध है।

पुष्यमित्र के पश्चात् शुंग वंश का सबसे महत्वपूर्ण राजा भागवत था। उसने करीब 32 वर्षों तक शासन किया। उसके शासनकाल की सबसे प्रमुख घटना है तक्षशिला के यूनानी शासक एण्टीयालकीड्स के राजदूत हेलियोडोरस का शुंग दरबार में आगमन। यूनानी होते हुए भी उसने बेसनगर (विदिशा) में गरुड़ध्वज की स्थापना करवाई। इस पर खुदे अभिलेख में शुंग शासक 'काशीपुत्र भागभद्र' का उल्लेख किया गया है, जो प्रो० भंडारकर के अनुसार भागवत ही था। भागवत शुंग वंश का अंतिम शक्तिशाली राजा था।

Scanned with CamScanner

अंतिम शुंग शासक देवभूति या देवभूमि एक तरुण तथा अत्याचारी शासक था। पुराणों से विदित होता है कि दस वर्षों के शासन के पश्चात् उसके अमात्य वसुदेव ने लगभग 75 ईसा पूर्व में उसकी हत्या कर राज्य पर अधिकार कर लिया। इस प्रकार, शुंगों का शासन भी शीघ्र ही समाप्त हो गया। मगध पर कण्वों का आधिपत्य हो गया, यद्यपि शुंग मध्य भारत में आंध्र-सातवाहनों के उदय तक अपना अस्तित्व बनाए रख सके।

15/09/2020